दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः– 06
अंकः– 138
मुरादाबाद
(Tuesday)
08 September 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

चांद पर साथ–साथ भारत–अमेरिका: नासा ने इसरो को दिया मून बेस का न्योता

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत–अमेरिका की बढ़ती अंतरिक्ष साझेदारी की तारीफ की। उन्होंने बताया कि नासा ने भारत को चंद्र बेस कार्यक्रम में शामिल होने का आधिकारिक न्योता दिया है। आईए जानते हैं कि अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत को लेकर और क्या कहा है? अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को भारत–अमेरिका अंतरिक्ष साझेदारी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह सहयोग से आगे बढ़कर को–क्रिएशन (मिलकर कुछ नया बनाने) के स्तर पर पहुंच गई है, जिसमें दोनों देश मिलकर उपकरण डिजाइन कर रहे हैं, स्टार्टअप्स को फंडिंग दे रहे हैं। इसके साथ ही इंसानी खोज के भविष्य को मिलकर आकार दे रहे हैं। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा, %नासा ने आधिकारिक तौर पर इसरो को चंद्र बेस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। इसमें कोई संदेह नहीं है। हम चंद्रमा पर वापस जा रहे हैं, और हम चाहते हैं कि भारत चंद्र सतह पर हमारे साथ हो। इस कमरे में मौजूद हर भारतीय अंतरिक्ष उद्यमी से मेरा कहना है। अमेरिकी बाजार आपके लिए खुला है। हमारे निवेशक आप पर नजर रख रहे हैं। हमारा इकोसिस्टम आपका स्वागत करता है। बंगलूरू स्पेस एक्सपो 2026 में बोलते हुए, गोर ने कहा कि दोनों देश इस साझेदारी में एक–दूसरे की खूबियों का इस्तेमाल कर रहे हैं।भारत इंजीनियरिंग की विशेषज्ञता, वैज्ञानिक प्रतिभा और एक मजबूत स्टार्टअप सेक्टर लेकर आ रहा है। गोर ने क्या कहा? – गोर ने कहा, कुछ हफ्ते पहले बंगलूरू में ही हुई 9वीं यूएस–इंडिया सिविल स्पेस जॉइंट वर्किंग ग्रुप की बैठक में हमने एक बड़ा बदलाव देखा। उन चर्चाओं ने इस बात की पुष्टि की कि हमारी साझेदारी अब केवल सहयोग तक सीमित नहीं है। यह सह–निर्माण के बारे में है। हम अब केवल डेटा साझा नहीं कर रहे हैं। हम उपकरणों का सह–डिजाइन कर रहे हैं, स्टार्टअप्स को सह–वित्तपोषित कर रहे हैं। मानव खोज के भविष्य को को मिलकर आकार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक इंजन के रूप में उभरा है, जो नेविगेशन और कम्युनिकेशन को चलाता है। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में भी योगदान देता है। अमेरिकी राजदूत ने कहा, अंतरिक्ष अब राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक नहीं रह गया है; आज यह 21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था का इंजन है। यह हमारे नौवहन को शक्ति प्रदान करता है, हमारे संचार को सुरक्षित करता है। हमारे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को ट्रेन करता है। इसके साथ ही एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग को तेज करता है। उन्होंने आगे कहा, इससे बनने वाली पार्टनरशिप एक ऐसी नई ड्रीम टीम बनाती है जो कमाल कर सकती है और करेगी। गोर ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई (ट्रस्ट) पहल के केंद्र में अंतरिक्ष है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रस्ट पहल शुरू करते समय इस तालमेल को पहचाना था। बता दें कि ट्रस्ट का मतलब है Transforming the Relationship Utilising Strategic Technology (स्ट्रैटेजिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके रिश्तों को बदलना)उन्होंने आगे कहा , हमने ट्रस्ट फेलोशिप शुरू की, जिससे हमारे शीर्ष शोधकर्ता एक साथ आए। क्योंकि तकनीक शक्तिशाली है, लेकिन लोग ही तकनीक को संभव बनाते हैं।

मायावती का बड़ा फैसला, छोटे भतीजे ईशान आनंद की राजनीति में एंट्री; मिली अहम जिम्मेदारी

मायावती ने बड़ा फैसला लेते हुए छोटे भतीजे ईशान आनंद को कई राज्यों का प्रभार सौंपा है। ईशान, बसपा सुप्रीमो मायावती और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार को रिपोर्ट करेंगे।बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद को सक्रिय राजनीति में लाने का फैसला लिया है। उनको पार्टी में मुख्य सेक्टर प्रभारी बनाया गया है। रविवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय में चली मैराथन बैठक के बाद ईशान आनंद को कुछ राज्यों का प्रभारी बनाए जाने की चर्चा है। हालांकि, इस बारे में पार्टी की तरफ से कोई घोषणा अभी तक नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक, ईशान बसपा सुप्रीमो मायावती के अलावा अपने पिता एवं पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार को रिपोर्ट करेंगे। दरअसल, आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक के पद से हटाने के बाद उनके छोटे भाई ईशान को पार्टी में कोई अहम जिम्मेदारी देने की संभावना जताई जा रही थी।राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में हुए थे शामिल– ईशान बीते दिनों राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में शामिल हुए थे। इससे पहले मायावती के जन्मदिन पर भी आए थे। चर्चा है कि नेशनल कोआर्डिनेटर रामजी गौतम और लालाराम का भी कद बढ़ाकर कुछ अन्य राज्यों का प्रभार भी सौंपा गया है।

संक्षिप्त समाचार

सियासी दबंगई पर लगेगा ब्रेक?: डाक्टरों से मारपीट मामलों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- हिरासत में लिए जाएं हमलावर

महाराष्ट्र में डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों के साथ मारपीट की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कड़ी चिंता जताई और कहा कि राजनीतिक दलों से जुड़े जो लोग डॉक्टरों पर हमला करते हैं, उन्हें तुरंत हिरासत में लिया जाना चाहिए। यह टिप्पणी पालघर के रिलीफ अस्पताल में दही हांडी के दौरान घायल गोविंदाओं के इलाज और डिस्चार्ज को लेकर हुए विवाद के बाद आई है।महाराष्ट्र में डॉक्टरों के साथ कथित मारपीट और राजनीतिक दबाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने राज्य सरकार से कहा कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले राजनीतिक लोगों को तुरंत हिरासत में लिया जाए।

यह टिप्पणी पालघर के रिलीफ अस्पताल में हुई घटना के एक दिन बाद आई, जहां दही हांडी के दौरान घायल हुए गोविंदाओं के इलाज और उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने को लेकर विवाद हुआ था। इस मामले में शिवसेना से जुड़े पदाधिकारियों समेत 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों की सुरक्षा पर क्या कहा? सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों की कथित पिटाई की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई। अदालत ने साफ संदेश दिया कि डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों पर हमला करने वालों को खुले में नहीं घूमने दिया जाना चाहिए।

केशव बोले : 2027 में फिर प्रचंड बहुमत से यूपी में सरकार बनाएगी भाजपा, अखिलेश के पास कोई मुद्दा नहीं

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज में कहा कि भाजपा ने 2027 में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए संगठन बूथ सत्यापन अभियान के जरिए जमीनी स्तर पर तैयारी में जुटा है। उन्होंने अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा ने वर्ष 2027 में तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ प्रदेश में सरकार बनाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए संगठन बूथ सत्यापन अभियान में जुटा है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करना और जनता के हित में लगातार काम करना भाजपा की प्राथमिकता है।सोमवार को प्रयागराज में पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जिलों के सर्वांगीण विकास और कानून–व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए सरकार काम कर रही है। उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय और जनपद न्यायालयों से जारी आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने पर भी पूरा जोर है। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य संगठन को मजबूत करते हुए देश और प्रदेश के हित में लगातार काम करना है। पार्टी इसी उद्देश्य के साथ बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने में जुटी है।अखिलेश पर साधा निशाना– सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए मौर्य ने कहा कि उनके पास न कोई काम है और न ही कोई मुद्दा। सत्ता से दूर होने के कारण वह बेचैन हैं और सत्ता में लौटने की लालसा में उल्टे–सीधे बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के सत्ता के आसपास पहुंचने की फिलहाल कोई संभावना नहीं है।आर्थिक विकास पर भी घेरा– देश की आर्थिक प्रगति को लेकर मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव को अपना नजरिया बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार 7 से 8 प्रतिशत के बीच है। देश की तेज आर्थिक प्रगति भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की बड़ी एजेंसियों को भी दिखाई दे रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी ऐसे लोगों को लेकर टिप्पणी की है, जिन्हें अच्छी चीजें दिखाई नहीं देतीं और वे हर जगह नकारात्मकता तलाशते हैं। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में हुए विकास कार्यों को सकारात्मक दृष्टि से देखने पर सरकार के कामकाज का असर साफ दिखाई देगा।

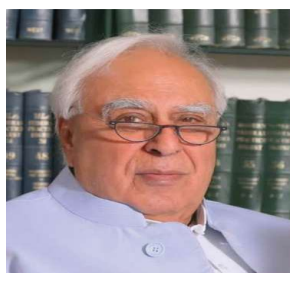

दिमागी नक्सल पर सियासी रारः पीएम मोदी के भाषण पर सिब्बल का पलटवार, बोले– जनता लिखेगी आपका रिपोर्ट कार्ड

कपिल सिब्बल ने पीएम मोदी के एसआरसीसी में दिए भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश नीति, रक्षा, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और रोजगार समेत कई मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पीएम अपना रिपोर्ट कार्ड खुद नहीं लिख सकते, इसे जनता तय करेगी। सिब्बल ने नीट में पेपर लीक, जंतर–मंतर पर छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई, महंगाई और जम्मू–कश्मीर की स्थिति को लेकर सवाल उठाए।राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विदेश नीति, रक्षा, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और रोजगार को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अपना रिपोर्ट कार्ड खुद नहीं लिख सकते, इसे जनता लिखेगी। एसआरसीसी में प्रधानमंत्री के भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए सिब्बल ने कहा कि सरकार एक परीक्षा तक ठीक से नहीं करा सकती, तो देश चलाने की उसकी क्षमता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने नीट परीक्षा में बार–बार पेपर लीक होने का आरोप लगाया। सिब्बल ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी, आपका रिपोर्ट कार्ड हम लिखेंगे। आप अपना रिपोर्ट कार्ड खुद नहीं लिख सकते। यह आपकी एक अनोखी क्षमता है कि आप अपना रिपोर्ट कार्ड खुद लिखते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री की होम्योपैथी और दिमागी नक्सल वाली टिप्पणी की भी आलोचना की। पीएम मोदी ने एसआरसीसी में कहा था कि उन्होंने लाल किले से ऐसे लोगों के लिए होम्योपैथी की एक गोली दी थी, जिसे उन्होंने%दिमागी नक्सल बताया था।कपिल सिब्बल ने कहा कि जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को इस तरह संबोधित करना उचित नहीं है। उन्होंने पुलिस कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि छात्रों और वहां मौजूद युवा महिलाओं के साथ मारपीट और उन्हें घसीटना सही नहीं है। उन्होंने कहा, आप इस देश के प्रधानमंत्री हैं। क्या यह सही है कि आपके पुलिसकर्मी छात्रों को पीटें और वहां मौजूद युवा महिलाओं और लड़कियों को पीटकर घसीटा जाए?उन्होंने कहा कि देश की समस्याओं का इलाज होम्योपैथी से नहीं हो सकता और इसके लिए सर्जरी की जरूरत है। अगर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 7.8 प्रतिशत और नाममात्र वृद्धि 10.3 प्रतिशत है, तो महंगाई 2.5 प्रतिशत बैठती है। उन्होंने सवाल किया कि अगर महंगाई इतनी कम है तो चीनी, लहसुन, अदरक और दूध के दाम क्यों बढ़े हैं। जीडीपी के आंकड़ों पर केंद्र सरकार को घेरा– उन्होंने कहा, आप दावा करते हैं कि महंगाई 2.5 प्रतिशत है, लेकिन इस पर कौन विश्वास करेगा? इन आंकड़ों पर कोई विश्वास नहीं करता। जम्मू–कश्मीर को लेकर सिब्बल ने प्रधानमंत्री के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि वहां स्थिति सामान्य और शांतिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगर स्थिति पूरी तरह सामान्य है तो जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल क्यों नहीं किया जाता।

पूर्व सीएम करुणानिधि ने सत्ता का दुरुपयोग किया: डीएमके पर बरसे सीएम विजय, बोले– किसी को नहीं छोड़ेंगे

मुख्यमंत्री सी विजय जोसेफ ने तमिलनाडु में विपक्षी पार्टी डीएमके पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने डीएमके नेताओं पर सरकार में रहते हुए भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने बिना नाम लिए नेताओं पर महिलाओं के खिलाफ बयानबाजी को लेकर निशाना साधा।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को राज्य की पूर्ववर्ती डीएमके सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और सरकारिया आयोग की रिपोर्ट, वीरनम पाइपलाइन प्रोजेक्ट तथा श्वष्ठ के आरोपों का हवाला दिया। उन्होंने डीएमके नेताओं पर सरकार में रहते हुए भ्रष्टाचार में शामिल होने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य की पूर्व सरकार पर जनता के फैसले का अनादर करने का आरोप लगाते हुए महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों पर महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी पर सख्त चेतावनी– पुलिस विभाग के लिए अनुदान की मांगों पर विधानसभा में हुई बहस का जवाब देते हुए विजय ने कहा कि राजनीतिक आलोचना अपनी जगह है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। महिलाओं के बारे में अश्लील या अपमानजनक टिप्पणी करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।मुख्यमंत्री ने ष्ठरूय पदाधिकारियों के उन बयानों की भी आलोचना की, जो कथित तौर पर उन लोगों के खिलाफ दिए गए थे जिन्होंने पार्टी को वोट नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियां जनता के फैसले के प्रति सम्मान की कमी को दर्शाती हैं और यही वजह है कि पार्टी अब विपक्ष में बैठी है। जिक्र किया, जो उनके अनुसार आधिकारिक रिकॉर्ड और विधानसभा लाइब्रेरी में मौजूद हैं। उन्होंने 1977 की सरकारिया आयोग की रिपोर्ट और वीरनम पाइपलाइन प्रोजेक्ट में कथित अनियमितताओं का हवाला दिया। उनके अनुसार, कॉन्ट्रैक्ट देने के लिए कमीशन की मांग की गई थी

संपादकीय Editorial

Why the resignation of the "untainted"?

Ultimately, the Ram Temple Trust had to accept the resignations of its General Secretary, Champat Rai Bansal, and Trustee Anil Mishra. This decision was marked by compulsion, as Trust Treasurer Govind Dev Giri described Champat Rai as a "great man" and a "saint-saint." The Trust did not "accuse" Champat. The Trust did admit in its meeting that there were numerous flaws in the management of the Ram Temple, making theft and plunder of donations possible. There were numerous irregularities and discrepancies, allowing "thieves" to count the donations and steal 70 times. This is the initial conclusion of the Special Investigation Team. Everyone is hurt, saddened, and ashamed by this "great sin." The reputation of the Ram Temple has been questioned, and the image of the grand Ram Temple has been tarnished and tarnished, a loss that cannot be compensated by resignations alone. The entire trust, including Champat Rai and Anil Mishra, is indirectly guilty and accused. Therefore, the trust should have been dissolved and a new system established. This commitment was made by Prime Minister Modi and the Union Home Ministry, but the final conclusion clearly shows that the trust is the "inheritance" of the Sangh Parivar and will remain its administrative and religious unit. The RSS, VHP, and Sanghi saints will continue to dominate. Therefore, when two core Sanghi propagators had to be removed, Krishna Mohan, also a Sanghi, was chosen as their replacement. Krishna Mohan, an Indian Forest Service officer, has been active in the RSS since 2012 and has also been a propagator. Now, he has been entrusted with the sacred responsibility of the Ram Temple. He can be called the "interim general secretary." The trust did not discuss who and why allowed Champat Rai and Anil Mishra to become so autocratic and powerful? How did their arbitrary actions continue? Why were they allowed to negotiate land deals worth approximately ?114 crore, when the value of these lands is estimated at ?20-25 crore? Isn't this a major scam? A trust is an organization of "collective responsibility," so the entire trust should have been replaced. The saintly figures on the trust have no experience in administration, management, financial control, or oversight. So why were they entrusted with the responsibility of receiving donations, contributions, and offerings worth crores of rupees? During the Ram Temple movement, countless people contributed, chanted "Ram-Ram," and even made sacrifices, most of whom are outside the temple's boundaries. They too must be suffering and distressed today! Active participation in the movement does not guarantee membership in the trust. The Constitution does not stipulate that only members of the Sangh Parivar will be allowed to join the trust. A "Hindu" can also be a non-Sanghi member and possess administrative experience, but the Sangh has "undeclared possession" of the Ram Temple. Another serious question is why Champat Rai was being expelled from the Trust, so why was he felicitated at the meeting? Treasurer Govind Dev has declared him "untainted" and "innocent." He stated that Champat Rai's service, work, dedication, and role during and after the Ram Temple movement cannot be forgotten. Champat Rai made a mistake due to "carelessness," and therefore, he had to resign. Is Govind Dev a "judge" who has given such a verdict? Will an FIR not be filed against Champat Rai after the Trust's praise, will no case be filed against him, and will he be able to leave Ayodhya unscathed? Will he remain as Vice President of the VHP? Why did the Trust accept the resignation of such a clean individual?

Hormuz Crisis: Russia's involvement in the oil game has sparked another flare-up

Rising tensions in the Strait of Hormuz and Russia's involvement have renewed global concern. This could directly impact crude oil prices and India's energy security. The Strait of Hormuz is closed. The oil game has once again posed a major crisis for the world. The latest attack has weakened all diplomatic efforts to broker peace between the US and Iran. With Russia's open involvement, the conflict is likely to take a more aggressive turn. This conflict in West Asia has affected India, along with the world. The country faces numerous challenges in overcoming the latest crisis.

Russia has deployed its Tu-214 PV attack aircraft in Iran. Russia's overt involvement in this conflict has its own reasons. The US does not want anyone to purchase oil from Russia because it considers Russia's purchases to be an economic boost against Ukraine. Therefore, the US has repeatedly increased pressure on India to refrain from purchasing oil from Russia, threatening to increase tariffs. In light of the energy crisis, India not only continued to purchase oil from Russia, but in June, it purchased 34% more oil from Russia. Ignoring US threats, India continued to diplomatically purchase oil from the US, Venezuela, and Africa. India's imports increased to 31% in June, with crude oil contributing the most. However, India currently purchases crude oil from 40 countries, including Russia, the US, Venezuela, and Africa. Russia has openly jumped into the latest US-Iran conflict and has stepped up its influence against the US. Through this move, it is also challenging NATO's monopoly. India has suffered significant losses in this conflict in the past. Three Indian sailors were killed during the June conflict. One Indian sailor is missing in the latest attack. It is a relief that ten were rescued safely. In addition to the loss of life and property, the oil and gas crisis escalated. Gas agencies faced backlogs, leaving ordinary people in distress. The government, based on price, made LPG cylinders worth Rs. 1,700 available to the public for Rs. 950-1,000. Following the interim peace agreement between the US and Iran, the normalization of traffic through the Strait of Hormuz brought relief to India, along with the rest of the world. 60% of crude oil and 90% of LPG supplies flow through the Strait of Hormuz. In June, India purchased more oil from Russia and, with the normalization of traffic through the Strait of Hormuz, restored its oil, gas, and energy reserves to a satisfactory level. While the current crisis may not cause immediate problems in the country due to a 60-day stockpile, if the conflict remains unabated, future oil and gas shortages and inflation are certain. According to United Nations data, in 2008 too, the geopolitical crisis in the Middle East had increased the oil prices considerably. Oil producing countries faced this crisis in 2010. Even otherwise, a situation of controversy has arisen in the country regarding E-20 (ethanol petrol). Debates have started on issues ranging from the mileage of vehicles to the damage to the engine. Due to the global situation, there is a challenge regarding E-20 petrol in the country which is facing energy crisis. Now, with the latest conflict becoming aggressive, maintaining adequate supply of oil and gas and controlling the prices has become a challenge in the country amidst the energy crisis.

BJP's Expansion in the Rajya Sabha: A 12-Year Story of Resignations and Defections

Between 2014 and 2026, the BJP effectively utilized electoral victories, as well as parliamentary strategies and constitutional provisions, to strengthen its position in the Rajya Sabha. Both strategies, including luring opposition leaders to its side through resignations and invoking the two-thirds merger provision, played a crucial role in shifting the balance of power in the Upper House. Despite coming to power at the Centre with an absolute majority in 2014, the BJP's biggest parliamentary challenge was the Rajya Sabha. Despite having a majority in the Lok Sabha, its lack of sufficient numbers in the Upper House required the support of the opposition or other parties to pass many important bills. This is why, over the past twelve years, the BJP has not relied solely on state election victories to strengthen its position in the Rajya Sabha, but has also employed parallel strategies at the political and parliamentary levels. Two key strategies were prominent among these strategies. First, by getting influential leaders from opposition parties to resign from the Rajya Sabha and their own party and join the BJP, and then re-elect them to the Rajya Sabha. Second, by merging the parliamentary party with the BJP without their resignations, using the "merger" provision of two-thirds of the members contained in Paragraph 4 of the Tenth Schedule of the Constitution.These two tactics together played a crucial role in shifting the balance of power in the Rajya Sabha. Resignation followed by a new innings in the BJP—This strategy began with leaders who joined the BJP after leaving their party and Rajya Sabha membership. In 2019, Samajwadi Party leaders Neeraj Shekhar, Surendra Singh Nagar, and Sanjay Seth resigned from their Rajya Sabha memberships and joined the BJP. Later, all three returned to the Rajya Sabha as BJP candidates.In the same year, senior Congress leader Bhubaneswar Kalita resigned after disagreements with the party over Article 370 and later became a member of the Rajya Sabha on behalf of the BJP. This trend then spread to other states. In 2024, Mamata Mahanta and Sujit Kumar of the Biju Janata Dal resigned from their Rajya Sabha memberships and joined the BJP, later becoming BJP candidates. R. Krishnaiah of the YSR Congress from Andhra Pradesh followed a similar path. In 2026, West Bengal politics witnessed a major shift when Sukhendu Sekhar Roy, Sushmita Deb, and Prakash Chik Baraik of the TMC resigned from their party and Rajya Sabha memberships, joined the BJP, and later returned to the Rajya Sabha on a BJP ticket.Thus, between 2014 and 2026, there were ten prominent Rajya Sabha MPs who first resigned and then returned to the Upper House as BJP representatives.TDP Model: Defection Without Resignation - The story of the BJP's Rajya Sabha expansion was not limited to resignations. In 2019, for the first time, the "merger" provision contained in Paragraph 4 of the Tenth Schedule of the Anti-Defection Law came to the center of national politics.Six TDP Rajya Sabha MPs, Y.S. Chowdhary (Sujana Chowdhary), C.M. Ramesh, T.G. Venkatesh, and G. Mohan Rao, joined the BJP simultaneously. Since thisnumber repre sented more than two-thirds of the parliamentary party, their merger was accepted in accordance with constitutional provisions, and their Rajya Sabha membership remained intact.This development clarified that if two-thirds of a parliamentary party's members collectively decide to merge and the relevant constitutional authority accepts it, the path to joining another party can be opened without resigning. The BJP described this as a constitutional process, while the opposition termed it contrary to the spirit of the anti-defection law.2026: The Aam Aadmi Party faces the biggest dent - Rajya Sabha politics took another major turn in 2026. Seven Rajya Sabha MPs, including AAP's Raghav Chadha, Sandeep Pathak, Ashok Kumar Mittal, Harbhajan Singh, Swati Maliwal, Rajinder Gupta, and Vikramjeet Singh Sahni, claimed to have merged with the BJP. The BJP's position in the Rajya Sabha was further strengthened after the merger was accepted, based on the support of more than two-thirds of the parliamentary party members.This development also sparked political and constitutional debate. The AAP called it a betrayal of the voters' mandate, while the BJP called it a legitimate and democratic decision by MPs in accordance with the Constitution. Constitutional experts also questioned whether a parliamentary party merger alone was sufficient or whether a merger with the parent political party was also necessary. Differing legal interpretations emerged on this issue.The Impact of Two Parallel Strategies - Between 2014 and 2026, the BJP employed two parallel strategies to strengthen its position in the Rajya Sabha. First, it engaged influential leaders from opposition parties. Neeraj Shekhar, Surendra Singh Nagar, Sanjay Seth, Bhubaneswar Kalita, Mamata Mahanta, Sujit Kumar, R. Krishnaiah, Sukhendu Shekhar Roy, Sushmita Deb, and Prakash Chik Baraik joined the BJP after resigning and subsequently entered the Rajya Sabha.The second strategy was to use themerger" provision of two-thirds of the members under Paragraph 4 of the Tenth Schedule. First came the TDP with Y.S. Chowdhary (Sujana Chowdhary), C.M. Ramesh, T.G. Venkatesh, and G. Mohan Rao, and later the Aam Aadmi Party with Raghav Chadha, Sandeep Pathak, Ashok Kumar Mittal, Harbhajan Singh, Swati Maliwal, Rajinder Gupta, and Vikramjeet Singh Sawhney. Both these developments demonstrated that realignment within parliamentary parties can now alter the balance of power in the Rajya Sabha. The Changing Politics of the Rajya Sabha - The character of the Rajya Sabha has also changed since 2014. Previously considered primarily a function of the electoral arithmetic of state assemblies, political realignment has now become an equally important factor. Winning influential MPs to their side.

बैक पेपर पर छिड़ा संग्राम! मुरादाबाद के KGK कॉलेज में LLB छात्रों ने खोला मोर्चा, प्राचार्य कक्ष के बाहर जमाया डेरा

केजीके कॉलेज मुरादाबाद में एलएलबी के छात्र पांचवें सेमेस्टर में प्रवेश न मिलने से नाराज होकर प्राचार्य कक्ष के बाहर धरने पर बैठ गए। छात्रों का कहना है कि बैक पेपर के कारण उन्हें रोका जा रहा है, जबकि बैक पेपर छठे सेमेस्टर तक क्लियर किए जा सकते हैं।केजीके कालेज में एलएलबी के पांचवें सेमेस्टर में प्रवेश न मिलने से नाराज छात्रों ने सोमवार को प्राचार्य कक्ष के बाहर धरना दिया। छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की और कहा कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं होगा, तब तक वह धरने से नहीं उठेंगे। छात्रों का कहना है कि प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर में बैक आने के कारण उनका पांचवें सेमेस्टर में प्रवेश नहीं किया जा रहा है। उनसे पहले बैक परीक्षा उत्तीर्ण कर उसे क्लियर करने के बाद ही प्रवेश देने की बात कही जा रही है।छात्रों का कहना है कि पूर्व के सेमेस्टरों की बैक छठे सेमेस्टर तक क्लियर करने के बाद डिग्री दिए जाने का प्रावधान है। ऐसे में पांचवें सेमेस्टर में प्रवेश से रोका जाना उचित नहीं है। धरना शुरू होने के समय प्राचार्य प्रो. जितेंद्र सिंह कक्ष में मौजूद नहीं थे। छात्र प्राचार्य के आने और समस्या का समाधान होने तक धरने पर डटे रहे। बाद में प्राचार्य प्रो. जितेंद्र सिंह ने छात्रों से बातचीत कर उनकी समस्या सुनीउन्होंने बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के अधिकारियों से भी बात की गई है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकल सका है। छात्रों ने जल्द निर्णय लेकर पांचवें सेमेस्टर में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कराने की मांग की है।

कार और डेढ़ लाख दहेज न देने पर बहू को तेजाब से जलाने की धमकी, ससुर पर दुष्कर्म का आरोप

मुरादाबाद में दहेज की मांग पूरी न होने पर नवविवाहिता को तेजाब से जलाने की धमकी दी गई और ससुर पर दुष्कर्म का आरोप लगा है। पुलिस ने पति और ससुर के खिलाफ मारपीट, प्रताड़ना और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।दहेज में डेढ़ लाख रुपये नकद और कार की मांग पूरी न होने पर नवविवाहिता को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पति और ससुर पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। ससुर पर दुष्कर्म करने की बात भी कही है। आरोप है कि विरोध करने पर उसे तेजाब से जलाकर मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर सिविल लाइंस पुलिस ने पति और ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सिविल लाइंस के भोगपुर मिठौनी निवासी नवविवाहिता ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी हरथला रेलवे स्टेशन के पास अब्दुल्ला तिराहा निवासी दानिश के साथ हुई थी। शुरुआती दिनों में सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में ससुराल पक्ष ने दहेज की मांग शुरू कर दी।आरोप है कि पति दानिश और ससुर जरीफ हुसैन उस पर मायके से डेढ़ लाख रुपये नकद और कार लाने का दबाव बनाने लगे। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज की गई तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। पीड़ित ने शिकायती पत्र में ससुर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला का कहना है कि विरोध करने और दहेज की मांग पूरी करने में असमर्थता जताने पर उसे लगातार परेशान किया गया। विवाद के दौरान आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए उसे तेजाब से जलाकर जान से मारने की धमकी दी। सिविल लाइंस इंस्पेक्टर हरीश वर्धन सिंह ने बताया कि पति दानिश और ससुर जरीफ हुसैन के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जलभराव वाले क्षेत्रों में पहुंचे जिलाधिकारी, जर्जर मकान होंगे सील

खाली प्लॉटों पर कचरा फेंकने वालों से वसूला जाएगा सफाई का हर्जाना

मुरादाबाद के डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने जलभराव वाले इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने जर्जर मकान सील करने और खाली प्लॉट पर कचरा फेंकने वालों पर हर्जाना लगाने के निर्देश दिए हैं। जिले में हो रही भारी बारिश से बढ़ रहे संकट और ग्रामीण इलाकों में तेंदुए के आतंक को देखते हुए जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया ने रविवार को शहर स्थित रंगोली कॉलोनी, ऑफिसर्स कॉलोनी और साईं मंदिर रोड आदि जगह पहुंचकर जलभराव की स्थिति देखी। उन्होंने नालों की सिल्ट सफाई, अवैध डक्ट व खिड़कियां बंद कराने और खाली प्लॉटों को कूड़ाघर बनाने वाले मालिकों पर कड़ा जुर्माना लगाने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने बताया कि गंगा, कोसी और रामगंगा के बैक-फ्लो से प्रभावित देहात क्षेत्र में बाढ़ शरणालय व मेडिकल कैंप संचालित हो रहे हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकथाम योजना के तहत संवेदनशील गांवों में 46 पिंजरे लगाने के साथ हाई-फ्रीक्वेंसी साउंड वेव और फ्लड लाइट की मदद से 24×7निगरानी की जा रही है। उन्होंने रंगोली कॉलोनी सहित शहर के अन्य जलभराव वाले क्षेत्रों के निरीक्षण के बाद तीन-स्तरीय सख्त निर्देश दिया। कहा कि पहले नालों की तत्काल तलीझाड़ सफाई कराई जाए। एमडीए के माध्यम से उन भवनों पर कार्रवाई तय की गई है

जिन्होंने रंगोली कॉलोनी और ऑफिसर्स कॉलोनी की ओर अवैध रूप से खिड़कियां, दरवाजे और एसी खोल रखे हैं, जहां से सीधे नाले में कचरा फेंका जाता है। तीन-चार ऐसे खाली प्लॉट चिह्नित किए गए हैं जिनका इस्तेमाल डंपयार्ड के रूप में किया जा रहा है। डीएम ने कहा कि प्लॉट पर सात-आठ फीट ऊंची दीवार और गेट लगाना भूखंड स्वामी का दायित्व है। ऐसा न करने पर नगर निगम खुद सफाई कराएगा और मस्टर रोल व सफाई में आने वाला पूरा खर्च अर्थदंड के रूप में प्लॉट मालिकों से ही वसूलेगा।बैक-फ्लो से संकट, 15 दिन तक विशेष निगरानी- रामगंगा गंगा नदी का जलस्तर अत्यधिक बढ़ने से कोसी और रामगंगा का पानी आगे नहीं निकल पा रहा है, जिससे बैक-फ्लो हो रहा है। इसका असर अधिकतम 15 दिनों तक बना रह सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव होते ही बीडीओ, ग्राम प्रधान और सचिव के जरिए पंप लगाकर तत्काल पानी निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि शहर में भी पूर्व में बने जलभराव को नगर निगम ने त्वरित कार्रवाई कर पंप से निकलवाया था। तीन चार दिनों के भीतर नाला पर अतिक्रमण हटवाकर स्थायी समाधान किया जा रहा है। कहा कि जर्जर भवनों को लेकर नौ सितंबर को बैठक होगी। 100 फीसदी सील करने की तैयारी है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, निकाह का दबाव बनाया तो परिवार ने रख दी दहेज की शर्त; 7 पर FIR

उत्तराखंड की युवती ने मुरादाबाद के युवक और उसके परिवार के सात सदस्यों पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और बाद में दहेज मांगने का आरोप लगाया है। मझोला पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

शादी का झांसा देकर उत्तराखंड की एक युवती के साथ दुष्कर्म करने और बाद में शादी की बात आने पर दहेज मांगने का मामला सामने आया है। ऊधमसिंह नगर के बाजपुर निवासी 21 वर्षीय युवती की शिकायत पर मझोला पुलिस ने लाकड़ी फाजलपुर निवासी युवक दानिश, उसके पिता और परिवार के अन्य पांच सदस्यों समेत सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता के अनुसार, उसकी जान-पहचान लाकड़ी फाजलपुर निवासी दानिश से हुई थी। आरोप है कि युवक ने उससे शादी करने का भरोसा दिलाया, जिसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। युवती का आरोप है कि शादी का वादा कर युवक ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। वह लगातार युवक से शादी करने की बात कहती रही, लेकिन आरोपित और उसके परिवारजन मामले को टालते रहे। आरोप है कि जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया तो युवक के परिवार की ओर से दहेज की मांग रख दी गई। मांग पूरी न होने पर उसे मानसिक रूप से परेशान किया जाने लगा। इसके बाद युवती ने मझोला थाने पहुंचकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मझोला पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर युवक, उसके पिता और परिवार के पांच अन्य सदस्यों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत, संपर्क और अन्य साक्ष्यों की जांच करेगी। मझोला इंस्पेक्टर रविंद्र सिंह ने बताया कि विवेचना में सामने आने वाले तथ्य और साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने एआई से जंगल में उतार दिया तेंदुआ, फैली दहशत

स्वार। पसियापुरा में तेंदुए की अफवाह से खलबली मच गई। जंगल में घूमते तेंदुए का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना पर वन विभाग की टीम गांव पहुंची। जांच में फोटो फर्जी निकला। युवक के मोबाइल में एआई से तैयार तेंदुए का फोटो मिला। वन रेंजर ने युवक की जमकर फटकार लगाई और भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

रविवार को सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो गया। इसमें तेंदुआ पसियापुरा के जंगल में घूमता दिखाया गया है। इससे गांव में खौफ का माहौल हो गया। सूचना मिलते ही वन विभाग में भी खलबली मच गई। टीम गांव पहुंच गई।वन रेंजर ठाकुर विजय सिंह ने पड़ताल की तो फोटो फर्जी निकला। युवक का मोबाइल चेक किया गया। उसमें एआई से तैयार तेंदुए का फोटो मिला। फोटो वायरल करने वाले युवक को ग्रामीणों के सामने बुलाया गया। रेंजर ने उसे फटकार लगाई।आरोप है कि गांव की राजनीति में प्रधान से प्रतिद्वंद्विता के चलते युवक ने एआई से फोटो तैयार कर वायरल की थी। युवक ने ग्रामीणों के सामने अपनी गलती स्वीकार कर माफी मांगी और दोबारा ऐसी हरकत न करने का भरोसा दिलाया।

प्रधान, मस्जिद के इमाम समेत अन्य ग्रामीणों ने युवक के खिलाफ कार्रवाई न करने का अनुरोध किया। इस पर वन विभाग ने उसे चेतावनी देकर छोड़ दिया।

इसके बाद गांव में मुनादी कराई गई। ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई। बताया गया कि जंगल में किसी वन्यजीव के होने की पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीण घबराएं नहीं।

रेंजर ठाकुर विजय सिंह ने चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर फर्जी फोटो या वीडियो वायरल कर वन्यजीव की अफवाह फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि दोबारा ऐसी हरकत सामने आई तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बिना पुष्टि के किसी भी सूचना को प्रसारित न करें।गौरतलब है कि तीन दिन पहले भी क्षेत्र में तेंदुए के शावक देखे जाने की सूचना फैली थी।

वन विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर जंगल में तलाश की थी। जांच में तेंदुए के शावक नहीं, बल्कि टीम को जंगली बिल्लियां मिली थीं। इसके बाद अब एआई से बनाई गई फर्जी फोटो वायरल होने से ग्रामीणों में फिर अफरा-तफरी मच गई।

खांसी और सांस फूलने को न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं स्वाइन फ्लू के लक्षण; बढ़ते मामलों के बीच डॉक्टरों की चेतावनी

स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों की पहचान का तरीका बदला है। अब तेज बुखार के साथ सांस फूलना और सांस लेने में परेशानी को भी प्रमुख संकेत माना जा रहा है।स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू पहचान के तरीके बदले। सांस फूलना अब स्वाइन फ्लू का प्रमुख संकेत। गंभीर मरीजों की पहचान कर समय पर इलाज।स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों की पहचान का तरीका और सतर्क कर दिया है। अब केवल तेज बुखार को ही स्वाइन फ्लू का प्रमुख संकेत मानकर नहीं चला जाएगा। सांस फूलना, सांस लेने में परेशानी और सांस से जुड़ी गंभीर शिकायत वाले मरीजों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है।ऐसे मरीजों की अलग से स्क्रीनिंग कर उनकी स्थिति का आकलन किया जा रहा है। जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू की आशंका वाले मरीजों को लक्षणों के आधार पर चिन्हित किया जा रहा है। अब तक सामने आए स्वाइन फ्लू संक्रमितों में 16 मरीज को खांसी थी और सांस फूलने की भी परेशानी थी।इसको देखते हुए चिकित्सक बुखार के साथ सांस लेने में परेशानी है या सामान्य स्थिति में भी सांस फूल रही है, उन्हें गंभीर श्रेणी में रखकर जांच और निगरानी की जा रही है। इसका मकसद ऐसे मरीजों को समय रहते पहचानना है, जिनमें संक्रमण फेफड़ों तक पहुंचने का खतरा हो सकता है। फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार के अनुसार, स्वाइन फ्लू में हर मरीज में एक जैसे लक्षण दिखाई देना जरूरी नहीं है। कुछ मरीजों में बुखार प्रमुख हो सकता है, जबकि गंभीर स्थिति में सांस लेने में परेशानी भी मजबूत संकेत बन सकती है। इसलिए सांस फूलने को नजरअंदाज करना मरीज के लिए दिक्कत पैदा कर सकता है। इसमें कुछ चिकित्सक सीटी चेस्ट भी कराकर देख रहे हैं कि कहीं संक्रमण फेफड़ों तक तो नहीं पहुंचा है। खांसी और गले के संक्रमण को न करें नजरअंदाज- स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच खांसी और गले में संक्रमण को सामान्य समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। शुरुआत में मरीज को गले में खराश, खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले मरीजों में संक्रमण तेजी से फेफड़ों तक पहुंच सकता है और सांस लेने में परेशानी बढ़ सकती है। फिजिशियन डॉ. सौभाग्य मिश्रा ने बताया कि बुजुर्ग, छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं और पहले से सांस की बीमारी से पीड़ित मरीजों को स्वाइन फ्लू में जटिलता का खतरा अधिक रहता है। इसके अलावा मधुमेह, हृदय रोग और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले मरीजों को भी विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

इंस्टाग्राम पर निजी फोटो वायरल करने से महिला परेशान, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया केस

मुरादाबाद में एक महिला की निजी तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़िता की शिकायत पर मझोला पुलिस जांच कर रही है और संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट की जानकारी जुटा रहा है।बुद्धि विहार निवासी महिला की शिकायत पर मझोला में दर्ज हुआ केसमझोला की एक महिला की निजी फोटो और वीडियो इंस्टाग्राम पर प्रसारित करने का मामला सामने आया है। बुद्धि विहार की महिला की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट और डिजिटल साक्ष्य की जांच कर रही है। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दी है। आरोपित इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से उसकी तस्वीरें और वीडियो साझा कर रहा है। इससे महिला को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उसकी प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। मझोला इंस्पेक्टर रविंद्र सिंह ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस उस इंस्टाग्राम अकाउंट की जानकारी जुटा रही है, जिससे फोटो और वीडियो प्रसारित किए जाने का आरोप है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आरोपित की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

किराये की टेबल पर हुआ विवाद, दंपती से मारपीट, चार पर रिपोर्ट

मिलक। मोहल्ला असदुल्लापुर में किराये की टेबल को लेकर विवाद हुआ। इसमें एक महिला और उसके पति को मारपीट कर घायल किया गया। पुलिस ने महिला की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लक्ष्मी देवी ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार शाम 7:30 बजे उनके जेठ के बेटे अंकित ने किराये से वापस आई टेबल को अपना बताया। महिला के मना करने पर अंकित ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। विरोध करने पर अंकित की मां सुषमा और भाई अंश व वंश भी लाठी-डंडे व ईंट लेकर आ गए। उन्होंने दंपती से मारपीट की। लक्ष्मी देवी के सिर व आंख में चोटें आईं और पति संजू को भी चोटें लगीं। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए। कोतवाल संजय कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर अंकित, उसकी मां सुषमा और अंश व वंश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रशासक के पति को जान से मारने की धमकी, दो के खिलाफ रिपोर्ट

स्वार। ग्राम बमना की ग्राम प्रधान एवं प्रशासक के पति मोहम्मद तौफीक को कुछ लोगों ने रास्ते में रोक लिया। उनके साथ गाली-गलौज की। जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना एक सितंबर की बताई जा रही है। गांव बमना निवासी मोहम्मद तौफीक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह एक सितंबर की सुबह करीब सवा दस बजे टरकपुरी जा रहे थे। जुल्फेकार के खेत के पास पहुंचने पर वहां मौजूद जुल्फेकार और गांव निवासी जाकिर पुत्र शाद अली ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने उनके साथ अभद्रता और गाली-गलौज की। जान से मारने की धमकी दी। तौफीक के मुताबिक, इसी दौरान कुछ लोग सड़क पर आ गए। लोगों को आता देखकर दोनों आरोपी वहां से भाग गए। सीओ सोनम सिंह ने बताया कि ग्राम बमना निवासी मोहम्मद तौफीक की तहरीर के आधार पर दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल को लेकर भाई से कहासुनी के बाद युवक ने लगाया फंदा, मौत

टांडा। नगर के नवाबपुरा मोहल्ले में रविवार को 22 वर्षीय आफताब का शव कमरे में पंखे से लटका मिला। परिजन उसे नीचे उतारकर चिकित्सक के पास ले गए, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। बताया जा रहा है कि मोबाइल फोन को लेकर भाई से हुई कहासुनी के बाद युवक कमरे में चला गया था। हिफजुर्रहमान उर्फ भूरा का बेटा आफताब रविवार दोपहर करीब तीन बजे अपने भाई से मोबाइल मांग रहा था। भाई ने मोबाइल देने से मना कर दिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

भाकियू (महात्मा टिकैत) ने किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक की 10 सूत्रीय मांगें, समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी फतेहगंज पश्चिमी। भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) ने विकासखंड फतेहगंज पश्चिमी के किसानों व ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी मीरगंज को सौंपा। जिला अध्यक्ष दुर्गेश मौर्य के नेतृत्व में 7 सितंबर 2026 को दिए गए ज्ञापन में 10 प्रमुख मांगें रखी गईं। इसमें सरकारी योजनाओं का लाभ समय से व पारदर्शी तरीके से देने, खाद-बीज-कृषि सामग्री वितरण में अनियमितताओं की जांच, फसलों का उचित मूल्य व गन्ना भुगतान शीघ्र कराने, खराब-जर्जर सड़कों की मरम्मत, नाली-जल निकासी-स्वच्छता, राशन कार्ड-पेंशन-आवास के लंबित मामलों के निस्तारण, आवारा पशुओं से फसल सुरक्षा, ब्लॉक कार्यालय में शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण, विकास कार्यों की गुणवत्ता जांच और ब्लॉक स्तर पर नियमित किसान पंचायत आयोजित करने की मांग शामिल है। यूनियन ने चेतावनी दी कि शीघ्र समाधान न होने पर लोकतांत्रिक व शांतिपूर्ण आंदोलन किया जाएगा।

डीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र जटा का किया स्थलीय निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / आज जिलाधिकारी अवनीश राय ने सोमवार को तहसील दातागंज अंतर्गत बाढ़ प्रभावित ग्राम जटा का स्थलीय निरीक्षण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हुए स्थानीय लोगों की समस्याओं की जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने तथा आवश्यकतानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों से जानकारी ली कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य टीमें नियमित रूप से पहुंच रही है अथवा नहीं। उन्होंने निर्देश दिए कि पशु चिकित्सा की पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण करें तथा आवश्यकतानुसार उपचार एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें, साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन निरंतर कराया जाए, जिससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकें।बाढ़ के कारण गांव से आवा-गमन टूट चुका है। जिलाधिकारी अवनीश राय ने नाव के माध्यम से ग्राम जटा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर उनका हालचाल जाना तथा बाढ़ के कारण उत्पन्न समस्याओं और उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है और आवश्यकता के अनुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा क्षेत्र की स्थिति पर सतत निगरानी रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी दातागंज विनोद कुमार सिंह एवं बाढ़ खण्ड के अधिशासी अभियन्ता उमेश चन्द्र सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दबंगों ने युवक-युवती का अश्लील फोटो बनाकर ब्लैकमेल करने की धमकी, रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रामगंगा डैम के पास घूमने गए एक युवक-युवती के साथ मनचलों ने अभद्रता की। आरोप है कि जबरन उनके कपड़े उतरवाकर वीडियो शूट किया। वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगे। वीडियो वायरल होने के डर से युवक-युवती सहमे रहे। युवती ने अब हिम्मत जुटाकर सुभाषनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनाक्रम दो अगस्त का है। सुभाषनगर थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती के मुताबिक वह दो अगस्त को अपने मित्र के साथ रामगंगा डैम पर घूमने गई थी। डैम के पास तीन-चार युवक पहुंचें। उन्होंने दोनों को रोक लिया। उनके साथ अभद्रता करने लगे। जबरन उनके कपड़े उतरवाए। वीडियो बनाया। युवती के मुताबिक दोनों बेहद डर गए थे। अनहोनी का डर था। पीड़िता का आरोप है कि वीडियो बनाने के बाद आरोपी युवक उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। वीडियो वायरल करने की धमकी भी दे रहे हैं। डर से हो गई खामोश पीड़िता के मुताबिक उसने डर के कारण घटना के बारे में किसी को नहीं बताया। लेकिन अब आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहे हैं। ब्लैकमेल कर रहे हैं तो मजबूरन पुलिस में शिकायत करने का साहस जुटाया अज्ञात के खिलाफ एफआईआर - युवती की शिकायत पर सुभाषनगर पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध शिकायत दर्ज की है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपियों की शिनाख्त हो सके। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज किया गया है। जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वीडियोज वायरल होने से रोकने के लिए पूरी कोशिश की जा रही है।

सीडीओ ने अधिकारियों को दिए कार्य में सुधार लाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / आज मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की जिला अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत 19 पैरामीटर की प्रगति, माननीय मुख्यमंत्री मॉडल विद्यालयों के निर्माण, जर्जर विद्यालयों की नीलामी, विद्यालयों में बच्चों की डिजिटल ऑनलाइन उपस्थिति, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के निर्माण, रिक्त पदों के सापेक्ष नियुक्ति, एकेडमिक रिसोर्स पर्सन के रिक्त पदों पर नियुक्ति, छात्र-छात्राओं के डीबीटी कार्य हेतु अध्यापकों द्वारा सत्यापन की स्थिति तथा जनपद एवं ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स के निरीक्षण की समीक्षा की गई। इसके साथ ही डाइट मेंटर, एसआरजी एवं एआरपी द्वारा किए जा रहे सपोर्टिव सुपरविजन की भी समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने ऑपरेशन कायाकल्प के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद के सभी विद्यालयों में 19 पैरामीटर से संबंधित कार्य प्रत्येक दशा में पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि समस्त डाइट मेंटर, एसआरजी एवं एआरपी अपने निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष विद्यालयों का नियमित अनुश्रवण एवं सपोर्टिव सुपरविजन करें। विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ ही निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जाए, ताकि जनपद के अधिक से अधिक विद्यालयों को निपुण घोषित किया जा सके।

इसके अलावा वार लाईसेन्स, शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति, राज्य पोषण-मिशन, पशुपालन विभाग के कार्यों की बैठक, 15वाँ वित्त/5वाँ वित्त पंचायती राज, आकांक्षात्मक विकास खंड की बैठक, फैमिली आई0डी0 की बैठक, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास/मनरेगा आजीविका मिशन आदि की बैठक भी आयोजित की गईं, जिसमें सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में समस्त संबंधित जनपद स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रामगंगा उफान पर, नाव से उतरे डीएम; हर घंटे जलस्तर की निगरानी के आदेश, कटान वाले इलाकों में बढ़ाई जाएगी निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रामगंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। सोमवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने नाव से रामगंगा नदी और तटीय क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने जलस्तर, तटबंधों, कटान संभावित स्थलों और आसपास के गांवों की स्थिति का जायजा लिया। डीएम ने अधिकारियों को हर घंटे जलस्तर की निगरानी कर आंकड़े तत्काल जिला आपदा नियंत्रण कक्ष को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कटान की आशंका वाले स्थानों पर तत्काल सुरक्षात्मक कार्रवाई और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त निगरानी दल तैनात करने को कहा। एसडीएम सदर और तहसीलदार को प्रभावित हो सकने वाले गांवों की अद्यतन सूची तैयार रखने तथा लेखपाल व ग्राम स्तरीय कर्मचारियों को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों को मुनादी के जरिए सतर्क करने और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

आपदा प्रबंधन विभाग को बाढ़ चौकियां सक्रिय रखने के साथ नाव, लाइफ जैकेट, रस्सियां, राहत सामग्री, पेयजल, खाद्यान्न और प्राथमिक उपचार की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए। चिकित्सा विभाग को संभावित राहत शिविरों के लिए मेडिकल टीम और दवाएं तैयार रखने को कहा गया। डीएम ने स्पष्ट किया कि बाढ़ की स्थिति में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। राजस्व, सिंचाई, पुलिस, स्वास्थ्य, पशुपालन और ग्राम्य विकास विभाग आपसी समन्वय से राहत-बचाव कार्यों के लिए तैयार रहें। उन्होंने ग्रामीणों से नदी में न जाने, बच्चों को नदी किनारे न जाने देने और प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सदर ईशिता किशोर, तहसीलदार/नायब तहसीलदार समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भारी बारिश ने रोकी शादी की रौनक, दूल्हा बारातियों और मेहमानों का इंतजार करता रहा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली द्य सदर कैंट क्षेत्र में बारिश बनी शादी के जश्न में बाधा, दोपहर तीन बजे तक दूल्हे के साथ गिने-चुने परिजन ही मौजूद, मेहमानों के पहुंचने का इंतजार बरेली।

शहर में रविवार देर रात से शुरू हुई लगातार भारी बारिश ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। जगह-जगह जलभराव और बारिश के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसका असर शादी-विवाह जैसे आयोजनों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। सदर कैंट क्षेत्र में मदारी की पुलिया के पास आयोजित एक शादी समारोह में भी भारी बारिश ने शादी की रौनक को फीका कर दिया। बारिश के चलते शादी समारोह में शामिल होने वाले मेहमान समय पर आयोजन स्थल तक नहीं पहुंच सके। हालात यह रहे कि दोपहर करीब तीन बजे तक दूल्हा अपने कुछ गिने-चुने परिजनों के साथ मेहमानों का इंतजार करता नजर आया। जहां सामान्य दिनों में शादी समारोह में दोपहर से ही रिश्तेदारों और मेहमानों की आवाजाही शुरू हो जाती है, वहीं लगातार हो रही बारिश के कारण आयोजन स्थल पर सन्नाटा पसरा रहा।

प्रो0 डॉक्टर प्रेमपाल सिंह द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधा कृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्थान में एक्सीलेंस इन एडुकेशन अवॉर्ड समारोह किया गया । शिक्षक दिवस के इस अवसर पर केसीएमटी संस्थान ने डॉक्टर प्रेम पाल सिंह,शिक्षा विभाग, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली को द्रोणाचार्य अवार्ड से नवाजा गया। यह अवार्ड शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जाता है। यह अवार्ड केसीएमटी संस्थान के चेयरमैन गिरधर गोपाल , मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर विनय खंडेलवाल और सांसद छत्रपाल गंगवार के हाथों द्वारा प्रदान किया गया।

ट्रैक्टर पर सवार होकर कटान देखने पहुंचे अविनाश सिंह, मंदिर की सुरक्षा को युद्धस्तर पर काम के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रामगंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और कटान के खतरे को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह सोमवार को एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने मीरगंज तहसील के ग्राम कपूरपुर में प्राचीन रामगंगा मंदिर परिसर के पास चल रहे फ्लड फाइटिंग कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। नदी के पानी से घिरे इलाकों का जायजा लेने के लिए डीएम खुद ट्रैक्टर पर सवार होकर मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से सीधा संवाद कर जमीनी हकीकत परखी। ?निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाढ़ खंड के अभियंताओं को कड़े निर्देश दिए कि कटान रोधी उपाय पूरी गुणवत्ता के साथ युद्धस्तर पर पूरे किए जाएं। डीएम ने दो टूक कहा कि प्राचीन रामगंगा मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र है, इसलिए इसकी और आसपास की आबादी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद डीएम ने गंगा माता मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुरक्षा की प्रार्थना की। इस मौके पर एडीएम (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह, एसडीएम मीरगंज निधि शुक्ला सहित बाढ़ खंड के अधिकारी और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

गैंगस्टर शेर अली जाफरी ने गनर को बंधक बनाकर पीटा, रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। खुसरो ग्रुप के चेयरमैन गैंगस्टर शेर अली जाफरी ने वेतन मांगने पर अपने निजी गनर को कॉलेज के ऑफिस में बंधक बनाकर पीटा और चाकू से हमला करके घायल कर दिया। एसएसपी के आदेश पर जाफरी के खिलाफ थाना सीबीगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सीबीगंज की शिवनगर कॉलोनी निवासी योगेश गुप्ता ने एसएसपी से की शिकायत में बताया कि वह खुसरो ग्रुप के चेयरमैन शेर अली जाफरी के यहां करीब एक वर्ष से 28 हजार रुपये प्रतिमाह के वेतन पर निजी गनर की नौकरी कर रहे हैं। उनका आरोप है कि जाफरी ने 01 मार्च से 22 अगस्त 2026 तक नौकरी की, जिसका वेतन 1.60 रुपये हुआ। मगर जाफरी उन्हें लगातार टालमटोल कर रहा है। बताते चलें 21 अगस्त को जाफरी उन्हें पीलीभीत लेकर गया और फिर 22 अगस्त को सीबीगंज स्थित खुसरो पीजी कॉलेज लेकर आया। वहां उन्होंने जाफरी से अपना वेतन मांगा तो वह गालीगलौज करने लगा और कमरे में बंद कर मारपीट की। फिर उसने ऑफिस में रखे घास काटने वाले चाकू से उन पर हमला कर दिया, जिससे उसकी कलाई कट गई।

आज और कल दो दिन बंद रहेंगे कक्षा 1 से 8 तक के स्कूल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जनपद में लगातार हो रही बारिश और बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए जिलाधिकारी ने डीएम के आदेश पर कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालयों में 8 और 9 सितंबर को अवकाश घोषित कर दिया गया है। अवकाश का आदेश यूपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई सहित परिषदीय, सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर लागू होगा। प्रशासन ने संबंधित विद्यालय प्रबंधनों को आदेश का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

गांधी पार्क के सौंदर्यीकरण का कार्य दो अक्टूबर से पहले शुरू कराने पर बनी सहमति

नागरिक परिषद के प्रतिनिधिमंडल की नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी से हुई वार्ता

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच

नगर के गांधी पार्क के सौंदर्यीकरण एवं आयुर्वेदिक अस्पताल में प्रस्तावित कक्ष निर्माण सहित नगर की विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर नागरिक परिषद बिलारी के प्रतिनिधिमंडल की नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव एवं अधिशासी अधिकारी रजनी सिंह के साथ वार्ता हुई। वार्ता के दौरान नगर के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा संबंधित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने पर सहमति बनी। वार्ता में गांधी पार्क के आसपास लगे ठेले और खोखों के कारण उत्पन्न हो रही अव्यवस्था का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी ने बताया कि गांधी पार्क के आसपास लगे ठेले और खोखों को हटाने के लिए संबंधित लोगों को नोटिस दिए जाएंगे। इसके बाद शीघ्र ही अतिक्रमण अभियान चलाकर स्थान खाली कराया जाएगा। अतिक्रमण हटाने के बाद गांधी पार्क के सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू कराया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि प्रयास रहेगा कि गांधी पार्क के सौंदर्यीकरण का कार्य दो अक्टूबर से पूर्व शुरू करा दिया जाए। बैठक में बिलारी के आयुर्वेदिक अस्पताल का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी ने बताया कि बिलारी विधायक द्वारा आयुर्वेदिक अस्पताल की सीमा में एक कमरा बनाए जाने के लिए नगर पालिका परिषद से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा गया था। नगर पालिका परिषद की ओर से एनओसी तैयार कर डिस्पैच कर दी गई है। इसके बाद कमरे के निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू होने की संभावना है। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव ने बताया कि आयुष अस्पताल में कमरे के निर्माण एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए नगर पालिका परिषद की ओर से प्रस्ताव शासन को भेजा गया था, जिसे शासन से स्वीकृति मिल गई है। उन्होंने बताया कि बरसात का मौसम समाप्त होने के बाद निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराया जाएगा। इन कार्यों के पूरा होने से आयुष चिकित्सालय को जल्द शुरू कराने में मदद मिलेगी और नगरवासियों को आयुर्वेदिक एवं आयुष चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।नागरिक परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने नगर के विकास, साफ-सफाई, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की प्रतिनिधिमंडल ने गांधी पार्क के सौंदर्यीकरण और आयुष अस्पताल के निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने पर विशेष जोर दिया।वार्ता में नागरिक परिषद बिलारी के प्रतिनिधिमंडल में डॉक्टर राकेश रफीक, राकेश जैन, डॉक्टर जितेंद्र दक्ष, फैसल रज़ा, चौधरी हुकम सिंह, रंजीत सिंह यादव, प्रधान माजिद हुसैन, अनीश प्रधान, मास्टर लटूरी सिंह, राहत जान, हसीब अहमद, डॉ. राशिद हुसैन, हाफिज रईस अहमद आदि शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि नगर पालिका परिषद द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुसार गांधी पार्क के आसपास अतिक्रमण हटाकर सौंदर्यीकरण का कार्य निर्धारित समय से पहले शुरू कराया जाएगा तथा आयुष अस्पताल से संबंधित निर्माण कार्य भी शीघ्र गति पकड़ेगा। इससे नगर के प्रमुख सार्वजनिक स्थल को बेहतर स्वरूप मिलने के साथ ही नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का भी लाभ मिलेगा।

धूमधाम से निकली 64वीं मेला फूलडोल शोभायात्रा, छतों से बरसे फूल

बैंडबाजे, डीजे, सुसज्जित झांकियों और जयकारों से गूंजा नगर, पौड़ाखेड़ा मंदिर परिसर में लगा विशाल मेला

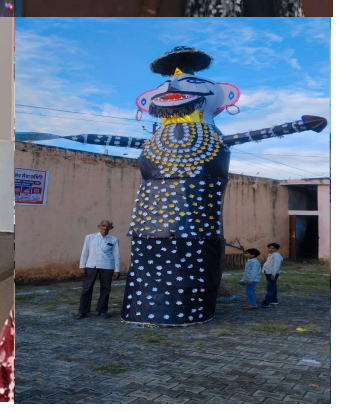

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच ।

नगर मेला कमेटी की ओर से 64वीं मेला फूलडोल शोभायात्रा सोमवार को नगर में बैंडबाजे, डीजे, ताशे और धार्मिक जयकारों के बीच धूमधाम एवं उत्साह के साथ निकाली गई। शोभायात्रा को देखने के लिए नगर के विभिन्न मार्गों पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया, जबकि मकानों की छतों से महिलाओं और बच्चों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा में शामिल स्वरूपों एवं झांकियों का स्वागत किया। शोभायात्रा के साथ मंदिर पौड़ाखेड़ा परिसर में विशाल मेला भी आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार की दुकानें और मनोरंजन के साधन आकर्षण का केंद्र रहे।शोभायात्रा का शुभारंभ मंदिर गमा देवत से हुआ। नगर मेला कमेटी के अध्यक्ष संजय जैन ने बैंड कलाकारों को पटका पहनाकर शोभायात्रा को रवाना किया। मंदिर में विधि-विधान से पूजा-पाठ किया गया तथा देश में पनप रही आसुरी शक्तियों के विनाश एवं देश-समाज में सुख-शांति की कामना की गई। इसके बाद शोभायात्रा अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ी।शोभायात्रा मुन्ना श्रोत्रिय के घर के सामने से होती हुई डॉ. मदन बंसल एवं शकील हलवाई के प्रतिष्ठानों के सामने पहुंची और वहां से झंडा चौक पहुंची। झंडा चौक पर शोभायात्रा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग मकानों की छतों एवं आसपास के स्थानों से शोभायात्रा का आनंद लेते दिखाई दिए। छतों से श्रद्धालुओं द्वारा लगातार फूल बरसाए जाने से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।इसके बाद शोभायात्रा रैली चौक, नेहरू पार्क, सराफा बाजार, गांधी आश्रम, नई सड़क होते हुए हाईवे पहुंची। वहां से रोडवेज, कोतवाली, महाराणा प्रताप चौक और शाहबाद रोड होते हुए शोभायात्रा मंदिर पौड़ाखेड़ा परिसर में पहुंची, जहां आयोजित मेला फूलडोल में शामिल हो गई।शोभायात्रा में जनता बैंड, भारत बैंड, बॉबी डांसर, स्वचालित झांकियां, ठाकुर डीजे और ताशे की टीम ने विशेष आकर्षण पैदा किया। भारत माता, कंस दरबार, कृष्ण-बलराम, राम दरबार, शंकर दरबार, दुर्गा दरबार, राधा-कृष्ण तथा सर्वधर्म समभाव सहित विभिन्न सुसज्जित झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। झांकियों में देवी-देवताओं एवं धार्मिक प्रसंगों के स्वरूपों ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। कंस के स्वरूप में श्याम नारायण उर्फ बेबी शर्मा विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।शोभायात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। व्यापारी सुरेंद्र कुमार चुग एवं एकांत गुप्ता ने शोभायात्रा में शामिल स्वरूपों को जलपान कराया। नगर मेला कमेटी की ओर से निकाली गई माता रानी की सिंहासन यात्रा भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। महेश कश्यप एवं विशाल गुप्ता सिंहासन लेकर चल रहे थे। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर टीका लगवाया और आशीर्वाद प्राप्त किया।उधर, मेला फूलडोल के अवसर पर विभिन्न खेलकूद एवं मनोरंजन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। मोहम्मद आलम थांवला एवं राजेश सिंह उर्फ खन्ना निवासी हरौरा के निर्देशन में सरकारी अस्पताल के निकट आईडिया खेल मैदान में कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की गई। नगर मेला कमेटी के अध्यक्ष संजय जैन एवं महामंत्री दुष्यंत चौहान ने पहलवानों के हाथ मिलवाकर दंगल का शुभारंभ कराया। इसके बाद पहलवानों ने अखाड़े में अपने-अपने दांव-पेच दिखाकर दर्शकों को रोमांचित किया। कुश्ती देखने के लिए देर शाम तक बड़ी संख्या में लोग मैदान में जुटे रहे।अभिषेक शर्मा एडवोकेट के निर्देशन में नगर में पतंगबाजी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से भर गया।मंदिर पौड़ाखेड़ा परिसर में लगे विशाल मेले में पकौड़ी, खेल-खिलौने, सौंदर्य प्रसाधन सहित विभिन्न सामानों की दुकानें सजीं। बच्चों के लिए मिकी माउस और विभिन्न प्रकार के झूले विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। परिवारों ने मेले में खरीदारी के साथ मनोरंजन का आनंद लिया। देर तक मेला परिसर में लोगों की चहल-पहल बनी रही।शोभायात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस एवं पीएसी बल मुस्तैद रहा। पुलिसकर्मियों ने शोभायात्रा के मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था संभाली और यातायात को व्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग किया। पूरी शोभायात्रा के दौरान नगर का वातावरण उत्साह, उमंग और धार्मिक उल्लास से सराबोर रहा।शोभायात्रा के सफल संचालन में नगर मेला कमेटी के अध्यक्ष संजय जैन, महामंत्री दुष्यंत चौहान, अभिषेक शर्मा उर्फ काजल, नीरज रोहिल्ला, मेला संयोजक कौशल ठाकुर, पंकज चौहान, सनी सिंह, अखिलेश श्रीवास्तव, गिरीश गर्ग, सुरेंद्र कुमार, नितिन डूडेजा, एकांत गुप्ता, अखिलेश पांडे, निखिल पांडे, अभिषेक पांडे, आशीष शंकर पांडे, मुन्ना श्रोत्रिय, बिशन सिंह यादव, योगी निहाल सिंह, सुनील आर्य, बृज रतन, बिजेंद्र सिंह चंद्रवंशी, आकाश बंसल, चिराग अग्रवाल, नरेश जौहरी आदि का विशेष सहयोग रहा।64वीं मेला फूलडोल की शोभायात्रा ने एक बार फिर नगर की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपरा को जीवंत कर दिया। शोभायात्रा में उमड़ी भीड़, आकर्षक झांकियां, पुष्पवर्षा, दंगल और मेले की रौनक ने पूरे नगर को उत्सव के रंग में रंग दिया।

संक्षिप्त समाचार

महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा; ब्रह्म समर्पित ब्राह्मण महासभा ने उठाई आवाज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। ?शहर के दामोदर स्वरूप पार्क में सोमवार को सवर्ण समाज के बैनर तले एक विशाल धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यह विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से यूजीसी रोलबैक एवं वर्तमान आरक्षण व्यवस्था की विसंगतियों के खिलाफ आयोजित हुआ, जिसमें समाज के प्रबुद्ध नागरिकों और युवाओं ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। ?धरना-प्रदर्शन में %ब्रह्म समर्पित ब्राह्मण महासभा (सम्पूर्ण भारत)% ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश पाठक के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और ब्राह्मण समाज के लोग धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा और यूजीसी रोलबैक के मुद्दे पर कड़ा ऐतराज जताते हुए सरकार से न्यायसंगत कदम उठाने की मांग की। ?प्रदर्शन के उपरांत, ब्रह्म समर्पित ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश पाठक एवं प्रदेश महामंत्री पंडित सुधीर शर्मा की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। यह ज्ञापन जिलाधिकारी बरेली के माध्यम से सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया, जिसमें सवर्ण समाज की प्रमुख मांगों पर अविलंब संज्ञान लेने का अनुरोध किया गया है। ?इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे और एकजुट होकर हक की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया।

दर्द से चीखते रहे घायल, सीएचसी में नहीं मिले डॉक्टर

मिलक। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था शनिवार देर रात खुलकर सामने आ गई। अलग-अलग हादसों में घायल पांच लोग करीब दो घंटे के अंतराल में इलाज की उम्मीद लेकर सीएचसी पहुंचे लेकिन परिजनों के मुताबिक ड्यूटी पर डॉक्टर और फार्मासिस्ट मौजूद नहीं थे। दर्द से कराहते घायल इलाज के लिए परेशान रहे और तीमारदार डॉक्टर की तलाश में इधर-उधर भटकते रहे, लेकिन उपचार नहीं मिल सका। मामले की जानकारी होने के बाद भी ड्यूटी पर तैनात बताए गए चिकित्सक करीब दो घंटे बाद सीएचसी पहुंचे। उन्होंने घायलों को देखा और प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत के अनुसार जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस दौरान डॉक्टर और तीमारदारों के बीच बहस भी हुई। चिकित्सक ने एक घायल की हालत गंभीर नहीं होने और उसके नशे में होने की बात कही। उन्होंने बताया कि शाम करीब पांच बजे पोस्टमार्टम हाउस से ड्यूटी पूरी कर घर लौटे थे।कुछ लोगों ने उनके बरेली के निजी अस्पताल में सेवाएं देने का दावा भी किया, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। घटना ने सीएचसी की आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि जब हादसे में घायल मरीज तत्काल इलाज के लिए सीएचसी पहुंचते हैं और वहां डॉक्टर ही मौजूद नहीं मिलता, तो उनकी जान की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। देर रात अस्पताल में चिकित्सकों का न मिलना स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को उजागर करता है। लोगों ने लापरवाही बरतने वाले चिकित्सकों पर कार्रवाई की मांग की है।सीएचसी में डॉक्टर के न होने की शिकायत पर चिकित्सक को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जवाब नहीं देने विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। -डॉ. बासित अली, सीएचसी अधीक्षक, मिलक

ओपी राजभर का सपा पर हमला: विनाश काले विपरीत बुद्धि, विधायक-कार्यकर्ता की मारपीट को बताया ठेकेदारी की लड़ाई

आजमगढ़ जिले में सपा विधायक और पार्टी कार्यकर्ता के बीच मारपीट के मामले को लेकर मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने जमकर निशाना साधा। कहा कि ये सिद्धांत नहीं, ठेकेदारी की लड़ाई है। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने आजमगढ़ में सपा विधायक और पार्टी कार्यकर्ता के बीच हुई मारपीट को लेकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। सोमवार को निरीक्षण भवन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि सपा में अब सिद्धांत और विचारधारा की लड़ाई नहीं रह गई है, बल्कि ठेकेदारी और कमीशन को लेकर आपसी संघर्ष चल रहा है। मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि विपक्ष जो चश्मा पहनता है, वह विपक्ष का चश्मा है। सरकार का चश्मा विकास का चश्मा है, इसलिए सरकार जो भी काम कर रही है। अगर विपक्ष के लोग कहें कि वह सही काम कर रही है, तो उन्हें वोट कौन देगा? इसीलिए विपक्ष के लोग हमेशा हमारा विरोध करते हैं।राजभर ने आजमगढ़ के गोपालगंज में सपा विधायक नफीस अहमद और पार्टी के बूथ अध्यक्ष के बीच सर्वे को लेकर हुई मारपीट का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच ठेकेदारी को लेकर विवाद की स्थिति है। उन्होंने दावा किया कि कार्यकर्ता 35 प्रतिशत कमीशन को लेकर आपस में ही भिड़ रहे हैं कि ठेका कौन करेगा।

जिला कारागार उरई में विधिक शिविर, बंदियों की समस्याएं सुनीं

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ उरई । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन की सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने जिला कारागार उरई का साप्ताहिक निरीक्षण कर विधिक शिविर का आयोजन किया। उन्होंने जेल की विभिन्न बैरकों का भ्रमण कर बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि जिन बंदियों की जमानत सक्षम न्यायालय से मंजूर हो चुकी है, लेकिन जमानतदार न मिलने के कारण उनकी रिहाई नहीं हो पा रही है, उनकी सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावी पैरवी कर उन्हें शीघ्र जेल से रिहा कराया जा सके। आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों को भी विधिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

शिविर में बंदियों को उनके विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता और प्ली बार्गेनिंग के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही महिला बंदियों एवं उनके साथ रह रहे बच्चों की चिकित्सा, खान-पान और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी ली गई।

इस अवसर पर जेलर/कारापाल प्रदीप कुमार, चिकित्साधिकारी डॉ. राहुल बर्मन, उपकारापाल अमर सिंह, श्रीमती सुखवती तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक शुभम शुक्ला सहित जेल प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा संचालित पेंशन योजनाओं से जालौन में 1.32 लाख जरूरतमंदों को मिला सम्मानजनक जीवन का सहारा

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ मा0 मुख्यमंत्री जी की सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां जनपद जालौन में समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन रही हैं। सरकार की पेंशन योजनाओं के माध्यम से जनपद के 1,32,475 लाभार्थियों को हर माह आर्थिक सहायता मिल रही है। नियमित पेंशन ने हजारों बुजुर्गों, दिव्यांगों, कुष्ठ रोगियों और निराश्रितों को अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में संबल दिया है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में पात्र लाभार्थियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान (दिव्यांग पेंशन) योजना के तहत जनपद के 15,824 दिव्यांग लाभार्थियों को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। वहीं कुष्ठ पेंशन योजना के अंतर्गत 112 लाभार्थियों को प्रतिमाह 3,000 रुपये की पेंशन मिल रही है। वृद्धावस्था पेंशन योजना जनपद के बुजुर्गों के लिए आर्थिक सहारा बनी हुई है। इसके तहत 85,016 लाभार्थियों को प्रत्येक माह 1,000 रुपये दिए जा रहे हैं। इसी प्रकार निराश्रित पेंशन योजना के अंतर्गत 31,523 लाभार्थियों को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। चारों योजनाओं को मिलाकर जालौन में कुल 1,32,475 पात्र लाभार्थियों को नियमित पेंशन का लाभ मिल रहा है। यानी हर माह जरूरतमंद परिवारों तक सरकार की सहायता पहुंच रही है, जिससे उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता और आत्मविश्वास बढ़ रहा है।

मा0 मुख्यमंत्री जी की सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी मंशा को धरातल पर उतारने के लिए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में पेंशन योजनाओं की पात्रता, लाभार्थियों तक भुगतान और योजनाओं के क्रियान्वयन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासन की सक्रियता का यह संगम जालौन में जरूरतमंदों के लिए आर्थिक सुरक्षा की मजबूत ढाल बन रहा है।

पिछोर में अवैध शराब के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई

2000 लीटर लहान नष्ट, 510 लीटर कच्ची शराब जब्त; एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देश पर राजस्व, पुलिस एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने पिछोर क्षेत्र के ग्राम सालौरा एवं करारखेड़ा में छापामार कार्रवाई कर 2000 लीटर लहान नष्ट किया तथा 510 लीटर हाथ भट्टी निर्मित कच्ची शराब जब्त की।

जानकारी के अनुसार संयुक्त टीम को ग्राम सालौरा में अवैध रूप से हाथ भट्टी से कच्ची शराब के निर्माण एवं विक्रय की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने रोहित उर्फ भूरा लोधी के खेत पर दबिश दी। यहां आठ ड्रमों में करीब 1500 लीटर लहान मिला, जिसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। टीम ने तीन ड्रमों में भरी करीब 450 लीटर कच्ची शराब भी जब्त की। कार्रवाई के दौरान रोहित लोधी मौके से फरार हो गया। इसके बाद टीम ने ग्राम करारखेड़ा में हरेन्द्र चौहान पुत्र प्रहलाद चौहान के खेत पर दबिश दी।

यहां तीन प्लास्टिक ड्रमों में रखा करीब 500 लीटर लहान नष्ट कराया गया तथा मौके से 60 लीटर कच्ची शराब जब्त की गई। टीम ने हरेन्द्र चौहान को मौके से गिरफ्तार कर लिया। संयुक्त कार्रवाई में कुल 11 प्लास्टिक ड्रमों में रखा करीब 2000 लीटर लहान, जिसकी अनुमानित कीमत 20 हजार रुपये है, नष्ट कराया गया। वहीं 510 लीटर अवैध हाथ भट्टी निर्मित कच्ची शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 51,500 रुपये बताई गई है, जब्त की गई। दोनों आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में एसडीएम पिछोर श्रीमती ममता शाक्य, तहसीलदार शिवशंकर गुर्जर, आबकारी उपनिरीक्षक विनीत शर्मा, कंट्रोल रूम प्रभारी उपनिरीक्षक राहुल गुप्ता, थाना प्रभारी निरीक्षक नीतू सिंह, उपनिरीक्षक रामकिशोर जोशी, कमल सिंह बंजारा सहित राजस्व, पुलिस एवं आबकारी विभाग के अन्य कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रशासन ने जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रखने की बात कही है।

कठमई में स्मैक बेचने की फिराक में आरोपी गिरफ्तार

कठमई खेल मैदान के पास स्मैक लेकर उसे बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को अपनी ओर आता देखकर एक व्यक्ति भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बल्लू उर्फ बलराम गुर्जर (40) पुत्र सूरज गुर्जर, निवासी कोटा भगोरा, थाना देहात, जिला शिवपुरी बताया। तलाशी लेने पर उसके लोअर की दाहिनी जेब में पारदर्शी पन्नी में 62.16 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर स्मैक जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। इसके बाद उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 694/26, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस आरोपी से स्मैक के स्रोत और उससे जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। आरोपी पर पहले से चार अपराध दर्ज- पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और उसके विरुद्ध दुष्कर्म सहित चार अपराध पूर्व से दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि शिवपुरी को नशामुक्त बनाने के लिए नशीले पदार्थों के सेवन, विक्रय एवं परिवहन से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। बाहर से आकर जिले में नशीले पदार्थों की सप्लाई करने वाले लोगों की भी जानकारी एकत्रित की जा रही है। पुलिस टीम की भूमिका सराहनीय- कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे, उपनिरीक्षक सुमित शर्मा, उपनिरीक्षक मुरारी यादव, प्रधान आरक्षक नरेश दुबे, महाराज सिंह, दिनेश सिंह तथा आरक्षक राहुल कुमार, विजय निगम, महेन्द्र तोमर, दीपक राठौर और मनोज गौतम की विशेष भूमिका रही।

चोरों ने एक सरकारी स्कूल को भी नहीं बख्शा

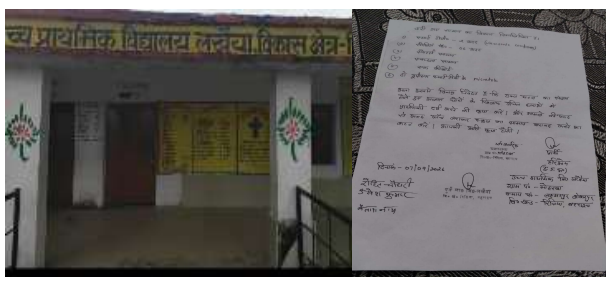

क्यूँ न लिखूँ सच / बहराइच/ जहां चोरों ने एक सरकारी स्कूल को भी नहीं बख्शा।

उच्च प्राथमिक विद्यालय लखैया ग्राम पंचायत मोहरबा-विकासखंड रिसिया में अज्ञात चोरों ने स्कूल के ताले तोड़कर करीब लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के मुताबिक 5 सितंबर को दोपहर करीब ढाई बजे स्कूल बंद होने के बाद सभी कमरों में ताले लगाए गए थे। रविवार की छुट्टी के बाद 7 सितंबर की सुबह करीब 7 बजकर 40 मिनट पर जब विद्यालय खोला गया तो चोरी की वारदात का खुलासा हुआ।

चोरों ने स्मार्ट क्लास-6 और स्मार्ट क्लास-7 के ताले तोड़ने के साथ ही ऑफिस में रखे बक्से को भी निशाना बनाया। स्कूल से 2 स्मार्ट टीवी 6 सीलिंग फैन और अन्य कीमती सामान गायब मिला। विद्यालय के इंचार्ज अध्यापक हरिओम की ओर से मटेरा थाने में प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जल्द कार्रवाई और चोरी हुआ सामान बरामद करने की मांग की गई है। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि आखिर दिन-ब-दिन चोरों के हौसले बुलंद क्यों होते जा रहे हैं? जब सरकारी स्कूल तक सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठना लाजिमी है। क्या लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाना पुलिस के लिए मुश्किल होता जा रहा है? क्या गश्त और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है? अब देखना होगा कि मटेरा पुलिस इस वारदात का खुलासा कितनी जल्दी करती है और स्कूल से चोरी हुआ सामान कब तक बरामद हो पाता है।

संक्षिप्त समाचार

थाना बिसौली पुलिस नें होटल में की बड़ी छापेमारी सेक्स रैकेट का किया बड़ा खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच / एसएसपी के कुशल निर्देशन एव अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बिसौली के नेतृत्व व नायब तहसीलदार, प्रभारी निरीक्षक बिसौली एवं महिला पुलिस टीम के साथ थाना बिसौली क्षेत्रान्तर्गत अनैतिक देह व्यापार करने के संबंध मे रानेट चौराहे के पास जय भोले गेस्ट हाउस मे दबिश दी गयी तो वहां पर अनंतिक देह व्यापार करने के संबंध मे होटल मालिक व होटल संचालक सहित 10 नफर अभियुक्त व 02 नफर महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया। जिसके संबंध मे थाना बिसौली पर मु0अ0स0 360/2026 धारा 3/4/5/6/7 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

15 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान करेंगे सीएम योगी, करोड़ों की योजनाओं की देंगे सौगात

सीएम अयोध्या में करीब तीन घंटे रहेंगे। वे दोपहर 2:50 बजे जीआईसी मैदान पहुंचेंगे, यहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। शाम 4:00 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर रहने के बाद वे हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अयोध्या में करीब 15 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सम्मान करेंगे।

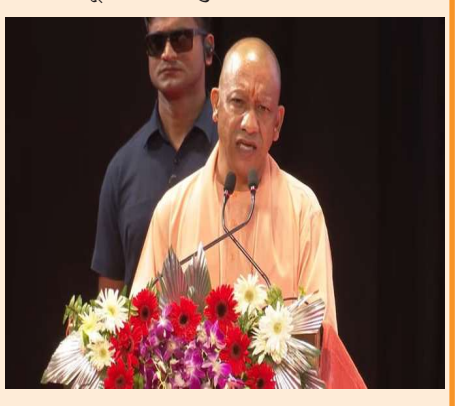

राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जिलों में होगा। अयोध्या मंडल की 12 से 15 हजार कार्यकर्ताएं इस कार्यक्रम में शामिल होंगी। सीएम अयोध्या में करीब तीन घंटे रहेंगे। वे दोपहर 2:50 बजे जीआईसी मैदान पहुंचेंगे, यहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। शाम 4:00 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर रहने के बाद वे हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे।शाम करीब 5:00 बजे वे लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। शाम करीब पांच बजे हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना होंगे। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के लिए है। इसमें विभागीय मंत्री और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। राशन वितरण का कार्य देख रही स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी भाग लेंगी।मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर अयोध्या कैंट और अयोध्या धाम में मार्ग परिवर्तन लागू रहेगा। प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात के व्यापक इंतजाम किए हैं। अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह समारोह आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के समर्पण और सेवा को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

समाज में पत्रकारों की भूमिका महत्वपूर्ण है-प्रभारी मंत्री

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ श्योपुर,। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री एवं श्योपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने जगन्नाथ धाम मैरिज गार्डन में आयोजित पत्रकार संघ के संभागीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में पत्रकारों की भूमिका सदैव सदैव महत्वपूर्ण रही है। सकारात्मक सोच के साथ पत्रकार समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे है,

उन्होंने प्रदेश के हित में सभी को मिलकर कार्य करने का आव्हान करते हुए कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में सजगता के साथ कार्य करते हुए पत्रकारिता के माध्यम से समाज में जागरूकता लाने के साथ ही विकास और जनकल्याण के कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारीयोजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकार सरकार और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने प्रदेश और जिले के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासन तथा पत्रकारों को आपसी समन्वय के साथ कार्य की अपेक्षा भी की। उक्त कार्यक्रम में शहडोल के जिलाध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी, नरसिंहपुर के जिलाध्यक्ष हेमराज विश्वकर्मा सबलगढ़ के जिलाध्यक्ष हेम कुमार तिवारी मुरैना के जिलाध्यक्ष नीरज खेमरिया , अशोक नगर जिलाध्यक्ष विकास सोनी , विदिशा जिलाध्यक्ष हाकम सिंह रघुवंशी, भिंड जिलाध्यक्ष हसरत अली, महिला प्रकोष्ठ शहडोल की जिला संयोजक सुनीता सिंह सोनू खान कार्यकारी संभागीय अध्यक्ष शहडोल, अखिलेश मिश्रा संभागीय महासचिव शहडोल, निलेश सोनी संभागीय उपाध्यक्ष, गणेश केवट संभागीय रामवीर जादोंन, सतीश बंसल, विष्णु शर्मा, बटन पाठक, मोहन सोनी, मुनबर खान, विजयपुर से पुष्पेंद्र शर्मा, सबलगढ़ से रवि शिवहरे धीरज शर्मा , पूरन मुद्गल, रवि उपाध्याय, कुलदीप पाठक, मुरैना से नीरज खेमरिया जिला अध्यक्ष , मुकेश शर्मा जिला महासचिव मुरैना, गिर्राज पाठक जिला उपाध्यक्ष, नरेश व्यास जिला उपाध्यक्ष, नवल किशोर राजोरिया जिला सचिव, हाकिम नंदा जिला उपाध्यक्ष, राजकुमार पचौरी, राजेश कुमार शर्मा बिट्टे, विवेक तिवारी, मोनू राजोरिया, प्रदीप राजोरिया, महेंद्र लहारिया, शिव शंकर शिवहरे, प्रमोद गौड़ गिरजेश गर्ग राम लखन गुर्जर,विजयपुर से नित्यानंद शर्मा, बलबीर धाकड़, संदीप धाकड़, रामावतार धाकड़, हरेंद्र सिंह, नरेन्द्र श्रीवास, इंदौर से प्रवीण जैन,अनिल पटेल, धर्मेन्द्र सोलंकी, अजमेर से अमित टांक,अमन टांक, सीहोर से हेमन्त त्रिपाठी,अकोदिया शाजापुर से सुनील वर्मा, लखन राजपूत कराहल से कमलसिंह गुर्जर, विष्णु बंसल, हेमन्त भारद्वाज, यश पचौरी,अमित कोठारी, गिर्राज मारू,गिर्राज बैरबा,मुकेश सेंगर , सोनू मुदगल, बड़ौदा से शंभू दयाल गुप्ता, श्योपुर से नौशाद अहमद,हाजिद अली नकवी, राहुल गुप्ता, विष्णु चौरसिया,प्रदीप सुमन,कमल अग्रवाल, गोपाल शर्मा, लक्ष्मी नारायण शर्मा सहित सैकड़ों पत्रकार साथियों ने भागीदारी की।

Covid-19: COVID-19 cases are rising in India, this Bigg Boss 14 contestant has tested positive; will masks be necessary again?

Vigilance has once again increased regarding COVID-19 cases in the country. Meanwhile, news has emerged that singer and former Bigg Boss contestant Jaan Kumar Sanu has tested positive for COVID-19 and has been hospitalized. Is the threat of COVID-19 once again increasing in India? Will measures like wearing masks and social distancing become necessary again? These questions have once again started to surface in people's minds. In a report published in Amar Ujala, we shared information about Andhra Pradesh recording a death from COVID-19 after four years and four new infections. Previously, some people were also found infected in Mumbai. According to recent reports, singer and former Bigg Boss 14 contestant Jaan Kumar Sanu has also tested positive for COVID-19. He has been hospitalized after testing positive for COVID-19. Sharing a video from his hospital bed, the singer wrote with a humorous caption, "My friend from China, salute to COVID." The recent case has once again drawn attention to the fact that COVID-19 isn't over yet. Is the old era returning? Alert regarding COVID-19 cases - Health experts say that while major waves of infection are no longer being seen worldwide, doctors say that SARS-CoV-2 (the virus that causes COVID-19) is constantly present among us and keeps mutating and returning with new variants. Like seasonal influenza, these variants can cause a surge in infection cases from time to time. Like influenza, this virus also constantly mutates, leading to the emergence of new variants and a surge in cases. Although most infections are mild, people should still remain vigilant. Death after four years - According to media reports, Andhra Pradesh has recorded its first death from COVID-19 in nearly four years. A 46-year-old man died of COVID-19 after four days of treatment in Kadapa district, Andhra Pradesh. Four other people have also tested positive. Test results are awaited to confirm the cause of death. Following these cases, the health department has gone on high alert. Most surprising is that those found infected had received at least two doses of the COVID-19 vaccine, with one person even receiving a booster dose. Of the four people found infected, three are in home isolation, while the fourth has mild symptoms and has been hospitalized. Will masks be necessary again? Given the recent surge in COVID-19 cases, questions have arisen as to whether masks will be mandatory for everyone again. Doctors say there's no need to fear or panic about COVID-19 at this time. It doesn't pose a risk of serious illness. Although this is also the season of viral, Corona is also a respiratory infection, hence using a mask in crowded places can help you protect yourself from many respiratory infections.

These 5 eating habits can increase stress and disrupt hormonal balance.

Some unhealthy eating habits can increase cortisol levels in the body, leading to stress, fatigue, and mood problems. In this article, we'll provide information on these issues. Stress has become a common problem in today's fast-paced life. In addition to work pressure, lack of sleep, and hectic schedules, some of our eating habits can also contribute to stress. In fact, we often unknowingly overeat, which can impact hormonal balance. According to experts, long-term poor eating habits can impact levels of stress hormones like cortisol in the body. However, stress isn't just related to diet; many aspects of lifestyle contribute to it. Let's explore some eating and drinking habits that can increase stress and how to improve them. These 5 eating and drinking habits can increase stress: 1. Excessive caffeine consumption - Caffeine is found in tea, coffee, and energy drinks. While moderate caffeine consumption may be appropriate for some, excessive consumption can increase restlessness, anxiety, and sleep problems. Poor sleep can increase stress levels and impact mood. 2. Prolonged fasting or skipping meals - Many people, due to weight loss or busy schedules, don't eat on time. Prolonged fasting can affect blood sugar levels, leading to irritability, fatigue, and stress. Timely, balanced meals are essential for providing the body with consistent energy. 3. Excessive consumption of sweets - Eating cakes, sweets, cold drinks, and high-sugar foods can cause blood sugar to rise rapidly and then drop suddenly. This fluctuation can impact mood and energy. Consuming too much sugar over a long period of time can also be detrimental to health. 4. Eating too much processed and junk food - Chips, fast food, and packaged snacks can be high in salt, trans fat, and additives. Regular and excessive consumption of these can affect inflammation and metabolism, which may also be linked to mental health. 5. A nutrient-deficient diet - A diet lacking in protein, vitamins, minerals, and healthy fats can affect both the body and mind. Certain nutrients are essential for mood and normal brain function. A balanced diet can help manage stress. Adopt these eating habits to reduce stress: Drink plenty of water throughout the day. Eat foods rich in protein and fiber. Include fruits, vegetables, and whole grains in your diet. Limit caffeine and excess sugar intake. Avoid prolonged hunger. Develop a habit of eating on time.

Negligence during the rainy season can increase the risk of typhoid. Ignoring the symptoms can worsen the situation.

Typhoid often begins with a slowly rising fever. It can be accompanied by headache, body aches, extreme weakness, loss of appetite, and fatigue. Its risk is seen to be higher during the rainy season. Everyone is advised to take special precautions regarding their health during the monsoon season. During these times, not only does the risk of mosquito-borne diseases increase, but a large number of people are admitted to hospitals due to complications from contaminated food and drink. Typhoid cases are also reported significantly during the rainy season. Eating chaat, golgappas, or cut fruit sold outside, or drinking contaminated water, significantly increases the risk of contracting typhoid. Typhoid is not just a common fever. It is an infection caused by bacteria called Salmonella typhi, which is primarily spread through contaminated food and water. If not treated promptly, this disease can affect the intestines, liver, and other body parts. People often ignore the initial symptoms, mistaking them for a common viral fever, which can lead to a serious infection. Typhoid problems during the monsoon season: During the monsoon season, many areas become waterlogged, and sewage water mixes with drinking water. Eating outside food and failing to properly clean hands can also increase the risk of infection. Doctors say that children, the elderly, pregnant women, and those with weakened immunity are most at risk. Drinking unboiled or unsafe water, eating food sold openly on the roadside, eating unwashed fruits and vegetables, and not washing hands properly after using the toilet can all contribute to the spread of the infection. It is crucial to identify and treat its symptoms early. How to identify typhoid? Typhoid causes high fever. Additionally, symptoms include headache, body aches, extreme weakness, loss of appetite, and fatigue. Patients also complain of abdominal pain, constipation or diarrhea, nausea, and vomiting. In some cases, high fever persists for several days. If not treated promptly, it can lead to a serious intestinal infection or other complications. Therefore, a prolonged fever should not be ignored, assuming it's a common viral infection. What to do if you have typhoid? Doctors prescribe antibiotics for typhoid. Adequate rest and hydration are also important. It's crucial to complete the medication course on time. Stopping treatment midway can lead to a recurrence of the infection. Vaccines are available to prevent typhoid. However, even after vaccination, it's important to follow hygiene rules. How to prevent typhoid? Doctors advise drinking only boiled or clean drinking water to avoid getting it. Always cook food thoroughly and avoid eating food that's been left out in the open for extended periods. Maintain good hygiene before eating out. Wash your hands with soap and water for at least 20 seconds after using the toilet and before preparing or eating. Eat fruits and vegetables only after washing them thoroughly. These small steps can significantly reduce the risk of infection. If you experience persistent fever, abdominal pain, or weakness, consult a doctor promptly.

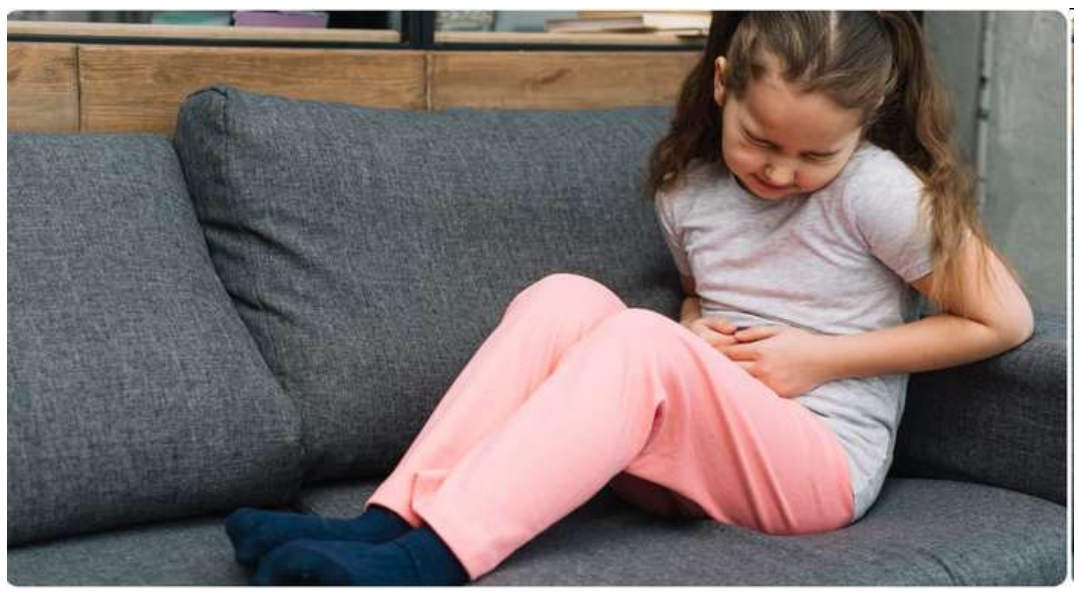

Shekhar Suman's house is no less than a palace, with a story behind everything; he explains how he got there.

Actor and TV host Shekhar Suman's house is in the news. It resembles a palace. According to Shekhar, everything in the house has a story behind it. Actor and TV host Shekhar Suman is currently in the news for his new show, "Shekhar Tonight." On the show, he satirizes social and political topics. Meanwhile, a video of his house is going viral on social media. In this video, the inside of his house appears like a palace. In this video, shared by Priyam Saraswat, it can be seen that the door of Shekhar Suman's house is quite stylish. The first thing one sees upon entering the house is a statue of Lord Krishna. The statue is quite beautiful. Shekhar Suman says, "I believe in Hinduism. There's a story behind everything." Shekhar Suman leads Priyam inside his house. The living area is quite spacious and luxurious. Shekhar Suman says that everything in this house has a story. He showed Priyam a chess board, which was quite impressive. He explained that it was brought from New York. The view outside the house is beautiful - He then showed the view outside the house. Trees, buildings, and the sea are visible outside the house. Suman showed his painting of the house, which he said was brought from New York. The dining room is amazing - Suman then showed his dining room, which is built in Victorian style. He said, "Look, this house is open on all sides." After this, Shekhar showed Priyam his office. Shekhar Suman's journey - He explained that he is currently hosting "Shekhar Tonight." He mentioned that he is from Patna. He started his first job at 600 rupees a month. His first film as an actor was "Utsav" (1984). Initially, he bought a small house in Andheri. Then he worked hard and bought this house.

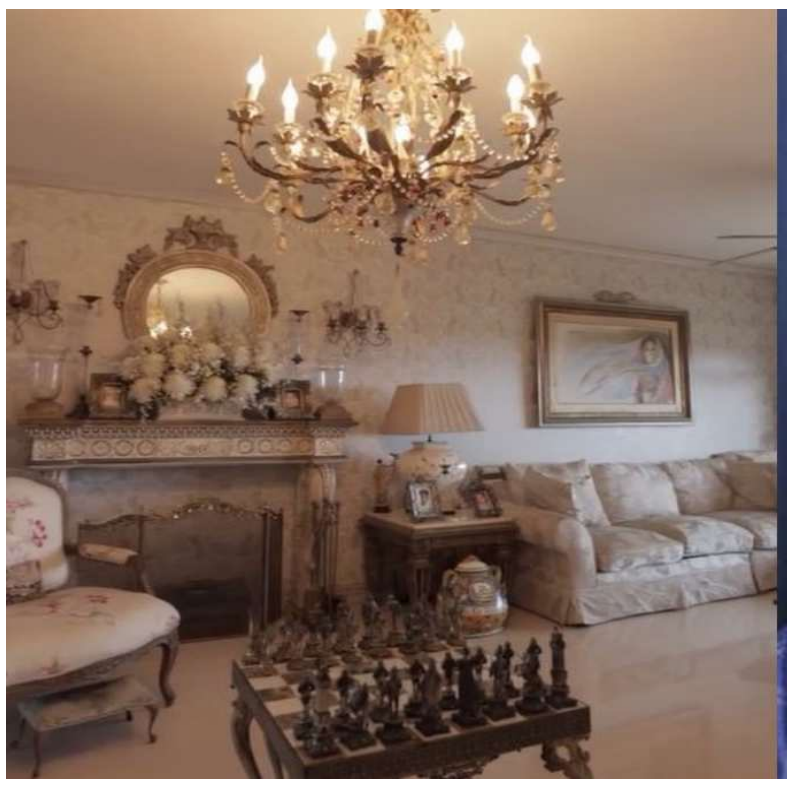

High-voltage drama continues in "Lockup 2"; Shilpa interrupts Shivangi-Harshad's conversation and tells Akanksha her "status"!

The reality show "Lockup 2" continues to be tumultuous. Viewers are witnessing a lot of drama. Shilpa Shinde warned Shivangi Joshi to stay away from Harshad Chopra. She also had an altercation with Akanksha Chaudhary. "Lockup Season 2," hosted by Farah Khan and Riteish Deshmukh, continues to be high-voltage drama. The contestants are witnessing numerous conflicts and drama. In a recent episode, Shilpa Shinde and Akanksha Chaudhary had a heated argument, with the two arguing about each other's "status." A recent episode saw Akanksha Chaudhary being sentenced to a harsh sentence and spending a day in the lockup jail. After coming out of jail, she had a fight with Shilpa Shinde. The lockup house was divided into two sections: controllers and dependents. As the controller, Shilpa Shinde tried her best to avenge the insult she suffered during last week's altercation with Akanksha. She asked Akanksha to change her bed sheets, but despite being a dependent, Akanksha refused. This led to a clash between the two. Why did the issue of status come up between them? During the argument, Shilpa Shinde said to Akanksha, "This is your status." Akanksha, however, did not remain silent and retorted, "And your status." Shilpa replied, "I am here, this is my status. I am with you, this is my status." Akanksha Chaudhary replied, "I am also in front of you. Does that mean our status is the same?" Shilpa Shinde replied, "Absolutely." After this, Akanksha said, 'So, don't bring this servant in front of me from today onwards'. This order was given to Shivangi Joshi - Not only this, earlier in the show, Shilpa Shinde had told Shivangi Joshi not to sit with Harshad Chopra. Actually, Shilpa Shinde was made Shivangi Joshi's controller, after which Shilpa started playing her game. While giving orders to Shivangi, Shilpa said, 'As the controller, I am asking you to talk less to Harshad. I have only asked you to talk less, I did not say not to talk at all, but I do not want to see you sitting anywhere with Harshad'. After this, Shivangi became very emotional.

Shruti Haasan bought a new home in Chennai; photos of the housewarming ceremony have surfaced; the actress was seen performing a puja.

Photos of Shruti Haasan's new home have surfaced, showing the actress performing a puja during the housewarming ceremony. Actress Shruti Haasan has purchased a new home near her hometown in Chennai. The actress has already performed a traditional housewarming ceremony and shared glimpses of it with fans on social media. Shruti Haasan shared several photos of the housewarming ceremony on social media. Shruti Haasan seen performing puja - Several photos of Shruti Haasan's housewarming ceremony have gone viral on social media. In the viral photos, Shruti is seen sitting on the floor in her new home and performing puja. The photos show sweets kept for the celebration and the keys to her new home. These photos were shared on her Instagram fan pages. A paparazzi page also shared photos of Shruti's new home. The caption read, "Shruti Haasan is entering a beautiful new chapter in her life. The actor-musician is celebrating love, blessings, and new beginnings with a traditional Griha Pravesh puja at her new home in Chennai." These are Shruti Haasan's upcoming films - On the work front, Shruti Haasan was last seen in Lokesh Kanagaraj's "Coolie" in 2025. She was seen opposite Rajinikanth in this film. However, her role in the film was not very big. This year, Shruti appeared in a special song with Ram Charan and Janhvi Kapoor in Buchi Babu Sana's film "Peddi." Her upcoming films include "Akaashmalo Oka Tara" and "Train."